B.A Part - III, HISTORY (Hons.)
Paper - V, History of India, 1757-1857

सहायक संधि प्रणाली
(Subsidiary Alliance System)

1. परिचय — 2. कारण — 3. प्रावधान — 4. समीक्षा/निष्कर्ष

1. <u>परिचय</u> :— 1757 ई० में प्लासी की विजय के साथ भारत में ब्रिटिश शासन का प्रारंभ हुआ। 1757 ई. से लेकर 1798 में वेलेजली के आगमन से पूर्व तक विभिन्न गवर्नर जनरलों के काल में कंपनी का प्रभाव निरंतर बढ़ता गया, पर अभी तक कुछ ही क्षेत्रों में प्रत्यक्ष नियंत्रण की स्थापना संभव हो पाई। वेलेजली ने साम्राज्य - विस्तार के लिए युद्ध व अन्य तरीकों के साथ मुख्यतः सहायक संधि नीति को आगे बढ़ाया।

<u>अर्थ</u> :— सामान्य अर्थों में सहायक संधि देशी राज्यों की सुरक्षा के नाम पर कंपनी द्वारा दिए जाने वाले सैन्य सहायता से संबंधित है, पर वास्तव में यह एक व्यापक नीति थी, जिसका उद्देश्य बिना किसी सक्रिय हस्तक्षेप के विभिन्न देशी राज्यों पर यथासंभव अपना प्रभाव स्थापित करना था, साथ ही अपने पूर्ण नियंत्रण वाले क्षेत्रों को सुरक्षित घेरा प्रदान करना था।

Scanned with CamScanner

2. कारण

(1) आंतरिक कारण

1. वेलेजली के समय की परिस्थितियों में अंग्रेजों की यह स्थिति नहीं थी कि वह खुले तौर पर भारतीय राज्यों को विजित करें।

2. कंपनी की सेना की आवश्यकता थी, जिसकी पूर्ति इस नीति के माध्यम से संभव थी।

3. इस नीति से बफर राज्यों का निर्माण हुआ जैसे बंगाल के लिए अवध।

(2) बाह्य कारण – इस समय यूरोप में नेपोलियन लगातार अपना प्रभाव विस्तार कर रहा था जिसके कारण भारत में भी फ्रेंच प्रभाव का खतरा उत्पन्न था। इसके माध्यम से विदेशी मामलों पर कंपनी का अधिकार स्थापित हुआ। परिणामतः न सिर्फ यह भय खत्म हुआ वरन् अपने प्रभाव के विस्तार में भी सहयोग प्राप्त हुआ।

3. प्रावधान

1. बड़े राज्यों को कंपनी की एक सेना रखनी पड़ेगी। छोटे राज्यों को सेना के लिए नकद धन देना पड़ेगा।

2. कंपनी राज्यों को सैन्य संरक्षण प्रदान करते हुए उसे बाह्य एवं आंतरिक सुरक्षा प्रदान करेगी।

3. राज्यों को अपनी राजधानी में एक ब्रिटिश रेजीडेंट रखना पड़ेगा, जो कंपनी द्वारा निर्देशित होगा।

Scanned with CamScanner

4. कंपनी राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

5. कंपनी को देशी राज्य की विदेश नीति पर अधिकार होगा, वह किसी भारतीय राज्य से आपस में कोई संधि नहीं बना सकता है।

6. कंपनी की अनुमति के बिना किसी भी यूरोपीय व्यक्ति को राज्य की सेवा में नहीं रखा जाएगा।

प्रभाव :—

सहायक संधि प्रभावित प्रमुख राज्य

- हैदराबाद (1798, 1800) — पहला राज्य जिससे संधि की गई।

- मैसूर (1799), अवध (1801, प्रारंभिक 1765)

- मराठा (1802, बेसीन की संधि)

~~[illegible]~~

• कंपनी को लाभ :—

1. भारतीय राज्यों के व्यय पर अंग्रेजी सैन्य शक्ति का विकास हुआ।

2. देशी राज्यों द्वारा अपनी सुरक्षा भार कंपनी को सौंपने से आगे कंपनी को उन पर पूर्ण प्रभाव स्थापित करने में मदद मिली।

3. राज्यों में ब्रिटिश रेजीडेंटों के माध्यम से कंपनी को उन पर प्रभाव स्थापित करने में मदद मिली।

4. इससे फ्रांसीसी भय से भी काफी हद तक मुक्ति मिली।

Scanned with CamScanner

• देशी राज्यों को हानि :—

1. भारतीय राज्य काफी हद तक अपनी स्वतंत्रता को खो बैठे।

2. सैन्य शक्ति न होने से किसी भी व्यवस्थित शासन का एक निर्णायक आधार देशी राज्यों में समाप्त हो गया।

3. अत्यधिक आर्थिक लाभ के कारण कई राज्य दिवालिया होने के कगार पर पहुँच गए।

4. कई राज्यों ने उपयुक्त के भय से मुक्त होने से राजनीतिक सत्ता में उदासीनता आई।

5. समीक्षा / निष्कर्ष :—

इसप्रकार हम देखते हैं कि सहायक संधि की शक्ल में दिखने वाली यह एक ऐसी कुशलतापूर्ण नीति थी जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को सुदृढ़ीकृत किया। साथ ही उसके प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

Scanned with CamScanner